Birth Rate and Infant Mortality Rate in the Country

1189. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) what is the crude birth rate in the country according to the census of 1991;

(b) what is the crude death rate in the country during this period;

(c) what is the infant mortality rate in the' country in the same period;

(d) what is the percentage of couples protected by some form of contraception; and

(e) what concrete efforts Government propose to take to decrease the birth and infant mortality rates in the country?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI PABAN SINGH GHATOWAR): (a) to (c) The crude birth rate, crude death rate and infant mortality rate as estimated by the Sample Registration System for the year 1991 at the national level are 29.5 (per 1000 population), 9.8 (per 1000 population) and 80 (per 1000 live births) respectively.

(d) 43.5 per cent.

(e) An Action plan is under implementation. It includes a differential approach to poor performing areas- by way of special projects for strengthening infrastructure, innovative approaches in IEC, greater involvement of NGOs, active community participation, improved maternal and child health care etc.

डेपो प्रोवेरा नामक गर्भनिरोधक का भारतीय बाजार में लाया जाना

1190. श्री नवा सिंह : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि डेपो प्रोवेरा नामक गर्भनिरोधक सुई के प्रभावों/दुष्प्रभावों की जांच किए बिना ही उसे भारतीय बाजार में उपभोक्ताओं के लिए लाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और उसका पूर्ण ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि औषध नियंत्रक ने आरम्भ में उक्त गर्भनिरोधक सुई को बेचने की अनुमति नहीं दी थी; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और बाद में इसकी अनुमति दिए जाने के कारणों का ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० सी० सिल्वेरा) (क) जी, नहीं । भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की इस औषधि की निरापदता और प्रभावकारिता संबंधी सिफारिशों के आधार पर इस गर्भनिरोधक इंजैक्शन डेपो प्रोवेरा को पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायियों के नुस्खे पर विपणन के लिए अनुमति दी गई ।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता ।

मानसिक रोगों की चिकित्सा के लिए आयुर्वेदिक दवाएं

1191. श्री सोमपाल : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान आयुर्वेदिक दवाओं द्वारा मानसिक रोगों की सफल चिकित्सा के प्रयोग के संबंध में दिनांक 15 जून, 1994 के "इंडियन एक्सप्रैस" में प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार अपने विभिन्न चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों को इस संबंध में जांच कराने के लिए कहेगी; और

(ग) यदि हां, तो सरकार किन-किन संस्थानों को यह कार्य सौंपने का विचार रखती है और यदि इन परीक्षणों के परिणाम आशाजनक हों तो सरकार इस चिकित्सा पद्धति के संवर्द्धन तथा आवश्यक आयुर्वेदिक दवाओं की उपलब्धता और साथ ही उनके निर्माण के लिए आवश्यक वनस्पतीय तत्वों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कौन-कौन से कदम उठाने का विचार रखती है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० सी० सिल्वेरा) :(क) जी, हां ।

(ख) और (ग) बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय में ब्राह्मी का इस्तेमाल करके किए गए क्लिनिकल अध्ययनों और केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा इस के कुछ सक्रिय घटकों का इस्तेमाल करके पशुओं पर किए गए प्रयोगों से पढ़ने और याद रखने पर सामान्य लाभदायक प्रभाव पड़ने का पता चला है ।

आयुर्वेदिक व्यवसाय द्वारा यादाश्त में सुधार करने के लिए शताब्दियों से ब्राह्मी का व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है ।

भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से असली आयुर्वेदिक औषधें तैयार करने और उपलब्ध करने हेतु मोहान, उत्तर प्रदेश में इंडियन मेडिसिन फार्मास्यूटिकल कारपोरेशन लिमिटेड की स्थापना की थी और उसकी ऐसे औषधि पादपों, जिनकी अधिक मांग है, की खेती करने और विकास करने की एक योजना भी है ।

दिल्ली के अस्पतालों में "कैट-स्कैन" की सुविधा

1192. **श्री भया सिंह** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में "कैट-स्कैन" की सुविधाओं का अभाव है और जिन अस्पतालों में "कैट-स्कैन" की सुविधा उपलब्ध है वहां पूरे सर्जन नहीं हैं तथा जिन अस्पतालों में सर्जन हैं वहां मशीनें खराब पड़ी हैं ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस मामले में क्या उपचारात्मक कदम उठाये जाने का विचार है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० सी० सिल्वेरा) :(क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) ये प्रश्न नहीं उठते ।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के रोगियों की चिकित्सा

1193. **श्री कामेश्वर पासवान** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में देश भर से चिकित्सा हेतु आए रोगियों में बिहार तथा उत्तर प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के रोगियों की संख्या अधिक होती है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि चिकित्सा हेतु संस्थान में भर्ती न मिलने पर उन्हें पेड़ों अथवा खुले आसमान के नीचे ठहरने को विवश होना पड़ता है ;

(ग) यदि हां, तो क्या उनका मंत्रालय संस्थान के वार्डों, विशेषकर हृदय रोग और कैंसर जैसी घातक बीमारियों वाले रोगियों के वार्डों में बिस्तरों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रहा है ;

(घ) क्या उनका मंत्रालय इस संस्थान में रोगियों की चिकित्सा की अवधि के दौरान उनके ठहरने हेतु कोई धर्मार्थ निवास-स्थान अर्थात् धर्मशाला बनवाने